A PEER REVIEWED JOURNAL ISSN 2347 8152
अंक : 10

शोध दर्पण

भूमंडलीकरण विशेषांक

हिन्दी विभाग
केरल विश्वविद्यालय
कार्यवट्टम, तिरुवनंतपुरम

2020

21

भूमंडलीकरण का जादूगर - तू है बड़ा बाज़ीगर

(रणेन्द्र के उपन्यास ' गायब होता देश ' के विशेष संदर्भ में)

डॉ. संध्या मेनन

भूमंडलीकरण का जादूगर जहाँ-जहाँ जिस - जिस इलाके में विकास की जादुई चादर बिछा कर अपना कमाल दिखाता है , वहाँ के गाँव के गाँव ही गायब हो जाते हैं और उस उजड़ी हुई ज़मीन पर बन जाते हैं पूंजीवादियों के आशियाने । तो इस तरह पूंजीवाद का नया रूप है भूमंडलीकरण ।

विकास की दौड़ में शामिल लोग ग़रीब और आदिवासी समुदाय को घास की तरह रोंदे चले जा रहे हैं । विकास की तिलस्मी गुफा में जब आदिवासियों को धकेल दिया जाता है तो वहाँ उनका अपना अस्तित्व ही मिट जाता है ।भूमंडलीकरण जनित विकास की तेज़ आँधी में आदिवासियों का सारा का सारा इलाका उजड़ जाता है ।गांव के गांव कारखानों , खदानों , बांधों , अभयारण्यों और अपार्टमेंट के नाम पर शासन और बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा हड़प लिए जाते हैं। विरोध करने वाले आदिवासियों को नक्सलवादी घोषित कर मुठभेड़ में मार दिया जाता है । महिलाओं के साथ अत्याचार होता है । हज़ारों लोग अपने बसेरे से बेघर होकर भूखे प्यासे दम तोड़ देते हैं , बहुतेरे जानलेवा बीमारियों की भेंट चढ़ जाते हैं और बचे - कुचे लोग बड़े-बड़े शहरों की झुग्गी - झोपड़ियों में किसी नाले के किनारे या भूमंडलीकरण के इस दौर में दूरियों को सिमेटते किसी बड़े पुल के नीचे नारकीय जीवन जीने को अभिशप्त हो चुके हैं ।गांव से विस्थापित हुए

देवानां भद्रा सुमतिर्ऋजूयताम्।। ऋ० १/८९/२

9 772395 711007

Impact Factor
5.642

ISSN : 2395-7115
June 2022
Issue 15, Vol. 6(2)

Bohal Shodh Manjusha

AN INTERNATIONAL PEER REVIEWED, REFEREED MULTIDISCIPLINARY & MULTIPLE LANGUAGES RESEARCH JOURNAL

UGC Valid Journal (The Gazette of India, Extraordinary Part III, Section 4, Dated July 18, 2018)

विशेषांक सम्पादक :
डॉ. पायल लिल्हारे

सम्पादक :
डॉ. नरेश सिहाग, एडवोकेट

Publisher :
Gugan Ram Educational & Social Welfare Society (Regd.)
202, Old Housing Board, Bhiwani, Haryana-127021

देवाना भद्रा सुमतिर्ऋजूयताम्।। ऋ० १/८९/२

ISSN : 2395-7115

बोहल शोध मञ्जूषा

Bohal Shodh Manjusha

AN INTERNATIONAL PEER REVIEWED, REFEREED,
MULTIDISCIPLINARY & MULTIPLE LANGUAGES RESEARCH JOURNAL

Publisher : Gugan Ram Educational & Social Welfare Society (Regd.)

Ref. No. BSM/June/2022/1-31

Dated : 31-07-2022

Publication Certificate*

This publication certificate has been issued to

डॉ. संध्या मेनन

अतिथि आचार्य, के.एस.एम. देवस्वम बोर्ड कॉलेज, शास्तामकोटा, केरल।

for publication of research paper titled

निर्मला पुतुल की कविताओं में प्रतिरोध का स्वर

Published in Bohal Shodh Manjusha ISSN : 2395-7115

Impact Factor 5.642, Issue-15, Vol. 6(2),
June 2022, Page No. 92-96

Secretary/Editor

Dr. Naresh Sihag, Advocate

M.A., LL.B. (Hon's), M.A. (JMC), M.Lib.& Information Science,
M.Phil. Ph.D., DHLT, Diploma Panchayati Raj (Silver Medalist)

*This Certificate is only Valid with the Presentation of Research Paper/Topic.

202, Old Housing Board, Bhiwani, Haryana-127021

8708822674

9466532152

www.bohalsm.blogspot.com, www.bohalshodhmanjusha.com

grsbohal@gmail.com

REVIEWED JOURNAL ISSN

शोध दर्पण

2022

वैश्वीकरण और हिंदी कविता पर केंद्रित

उदय प्रकाश की कविताओं में उपभोग संस्कृति और नारी जीवन	: डॉ. रंजू जी नायर	99
सूरीनाम की कविताओं में भाषाई अस्मिता	: ब्लेस्सनराजू	103
कुमार अंबुज की कविताओं में भूमंडलीकरण का परिदृश्य 'उपशीर्षक' कविता संग्रह के संदर्भ में	: अरुंधती मोहन	110
वैश्वीकरण के दौर में निर्मला पुतुल की कविता	: डॉ. संध्या मेनन	115
राजेश जोशी की कविताओं में मानवतावाद	: डॉ.अजित्रा आर. एस.	121
'बाज़ार' कविता में चित्रित बाज़ारू संस्कृति	: डॉ.षर्लिन	129
भूमंडलीकरण और डॉ.ए.अरविंदाक्षन की कविता ('जंगल नज़दीक आ रहा है' के विशेष संदर्भ में)	: डॉ.प्रिया ए.	132
हिंदी दलित कविता: दशा और दिशा	: हिमा एम एन	139
भूमंडलीकरण और बाज़ारवाद के जुगलबंदी कवि: मंगलेश डबराल	: रेवती एस.	145
आदिवासी कविता में प्रतिरोध की संस्कृति	: कृष्ण प्रीति ए आर	149
वैश्वीकरण के संदर्भ में मैथिली शरण गुप्त की कविता 'मनुष्यता':एक पुनर्पाठ	: अंजिता जे.एम.	157
जयप्रकाश कर्दम और एस जोसफ की कविताओं में दलित चेतना	: राधिका आर.	163
'स्त्रियां' में स्त्री स्वर	: डॉ.आर्या वी.एस	168
विनोद शुक्ल की कविताओं में वैश्वीकरण	: आर्षा राज आर.एल.	172
केदारनाथ सिंह की कविताओं में नारी संवेदना	: श्रीवर्षा मोहन	178
बाज़ारू संस्कृति और समकालीन हिंदी कविता	: जोस्ना जोस	183

A PEER REVIEWED JOURNAL

शोध दर्पण

कथा साहित्य विशेषांक

UNIVERSITY OF KERALA

कर्मणि व्यज्यते प्रज्ञा

हिन्दी विभाग
केरल विश्वविद्यालय
कार्यवट्टम, तिरुवनंतपुरम
2019

12. परिवर्तित नर-नारी सम्बन्ध के परिप्रेक्ष्य में कृष्णा अग्निहोत्री की कहानियाँ – नीतू एस.एस

13. पारिवारिक जीवन के परिप्रेक्ष्य में: 'एक पत्नी के नोट्स' - डॉ. संध्या गोपालन

14. पारिस्थितिक परिप्रेक्ष्य में 'हलफनामा' उपन्यास – षिजू एस. जी

15. पारिस्थितिक विमर्श : 'कुइयाँजान' के सन्दर्भ में –डॉ. ज्योति. एन

16. 'पिघल जाने दो जमी बर्फ को' – संध्या मेनन

17. पूंजीवादी बीमारी का मार्क्सवादी इलाज 'फाँस' – डॉ. हेर्मन पी. जे

18. बदलती भारतीय संस्कृति : समकालीन उपन्यासों के संदर्भ में –डॉ. सी. एस. सुचित

19. मधु काँकरिया की कहानियों में सामाजिक चेतना ('चिड़िया ऐसी मरती हैं' के परिप्रेक्ष्य में) – अतुल्या .ए

20. मनीषा कुलश्रेष्ठ के 'शालभंजिका' उपन्यास में चित्रित बदलते स्त्री -पुरुष सम्बन्ध –आर्षाराज आर. एल

21. मल्लिका : नारी सशक्तिकरण का उज्ज्वल सितारा – डॉ. शीला कुमारी. एल

22. ममता कालिया के कथा साहित्य में पारिवारिक जीवन – रीना .ए

23. 'मानस का हंस' : एक पुनर्पाठ – कृष्ण प्रीती ए. आर

24. मीडिया और साहित्य : समकालीन कथा साहित्य के सन्दर्भ में – अनीष.आर

25. यथार्थ बोध के परिप्रेक्ष्य में मधु काँकरिया की कहानियाँ – श्रीनिता पी.आर

देवानां भद्रा सुमतिर्ऋजूयताम्।। क्र० १/८९/२

ISSN : 2395-7115

OCT.-DEC. 2018

Vol. 8, Issue 2

Impact Factor 2.587

Bohal Shodh Manjusha

AN INTERNATIONAL MULTI DISCIPLINARY & MULTIPLE LANGUAGES QUARTERLY REFEREED RESEARCH JOURNAL

Special Keral Issue Editor

Prof. Sanjay L. Madar

Publisher :

Gugan Ram Educational & Social Welfare Society (Regd.)

202, Old Housing Board, Bhiwani, Haryana 127021

क्र.	विषय	लेखक	पृष्ठ
1.	सम्पादकीय	डॉ. संजय एल. मादार	7-7
2.	मानव गतिविधियाँ और पर्यावरण	डॉ. कमल विजयवर्गीय डॉ. सुनील बाघला	8-9
3.	सिमटते वन एवं अपकर्ष होता पर्यावरण	डॉ. राजेश कुमार	10-
4.	स्वस्थ कृषि, स्वस्थ जीवन	डॉ. सुनील कुमार	12-
5.	राजस्थान में नारी उत्थान व राष्ट्रीय आन्दोलन में उनका योगदान	डा. नीलम गौड़	14-
6.	उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विभिन्न धर्मों के विद्यार्थियों के आत्म–सम्प्रत्यय, नैतिक निर्णय और धर्म निरपेक्ष अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन	Sharmail Anjum	16-
7.	मातृत्व का बलात् बँटवारा : 'युद्ध और बुद्ध' के विशेष सन्दर्भ में	श्रीनिता.पी.आर	22-
8.	दृश्यात्मक वास्तविकता से समृद्ध मंगलेश डबराल की काव्य संसक्ति	रम्या. एल	24-
9.	Effects of band and politics on kashmir education system	Rakhi Devi	26-
10.	प्रगतिवाद	पुनीता रानी	32-
11.	खंड–खंड अग्नि के परिप्रेक्ष्य में अग्नि परीक्षा की प्रासंगिकता	डॉ. उर्मिला पोरवाल	36-
12.	'किस्सा जाम का' : एक दृष्टि	डॉ. एस. एल. कुमारी	42-
13.	जैन दर्शन में अहिंसा : शैक्षिक परिशीलन	डॉ. गिरधारीलाल शर्मा	44-
14.	भारतीय आश्रम व्यवस्था में गृहस्थाश्रम : एक व्यापक दृष्टिकोण	डॉ. रणधीर कौशिक	48-
15.	विशिष्टच्छात्राणां संस्कृतभाषाधिगमोपलब्धौ नव्यप्रवृत्तय:	Nandulal Mandal	52-
16.	संगीत में शिव–शक्ति का वर्णन	डॉ. ज्योति विश्वकर्मा	56-
17.	विस्थापन की त्रासदी : 'निर्वासन'	काजल	58-
18.	आदिवासी जीवन की व्यथा – गाथा : धरती आबा के सन्दर्भ में	प्रत्यूष. पी.	60-
19.	निराला की प्रगति चेतना	रेखा कुमारी	70-
20.	Postcolonialism and Nationalism	Minakshi Devi	73-
21.	स्त्री–पुरुष संबंधों का बदलता स्वरूप : 'अंतराल' उपन्यास के विशेष संदर्भ में	अजिना ओ.वी	77-
22.	पथ–भ्रष्ट होती युवा–पीढ़ी... आखरि जिम्मेदार कौन? (मॉरिशसीय साहित्यकार रामदेव धुरन्धर की कहानी 'आदमखोर के विशेष सन्दर्भ में)	संध्या मेनन	79-
23.	हिन्दी के आदिवासी कहानीकार और उनकी कहानियाँ : एक संक्षिप्त परिचय	श्रीलेखा के.एन	81-
24.	नरेश मेहता के खण्ड काव्य और मिथक	राखी क्लेमन्ट	86-
25.	मलयालम कहानियों में स्त्री अस्मिता : संघर्ष एवं प्रतिरोध		
26.	सितारा. एस. की कहानियों के संदर्भ में	डॉ. षबीला.के.एस.	91-